सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, भीलवाडा

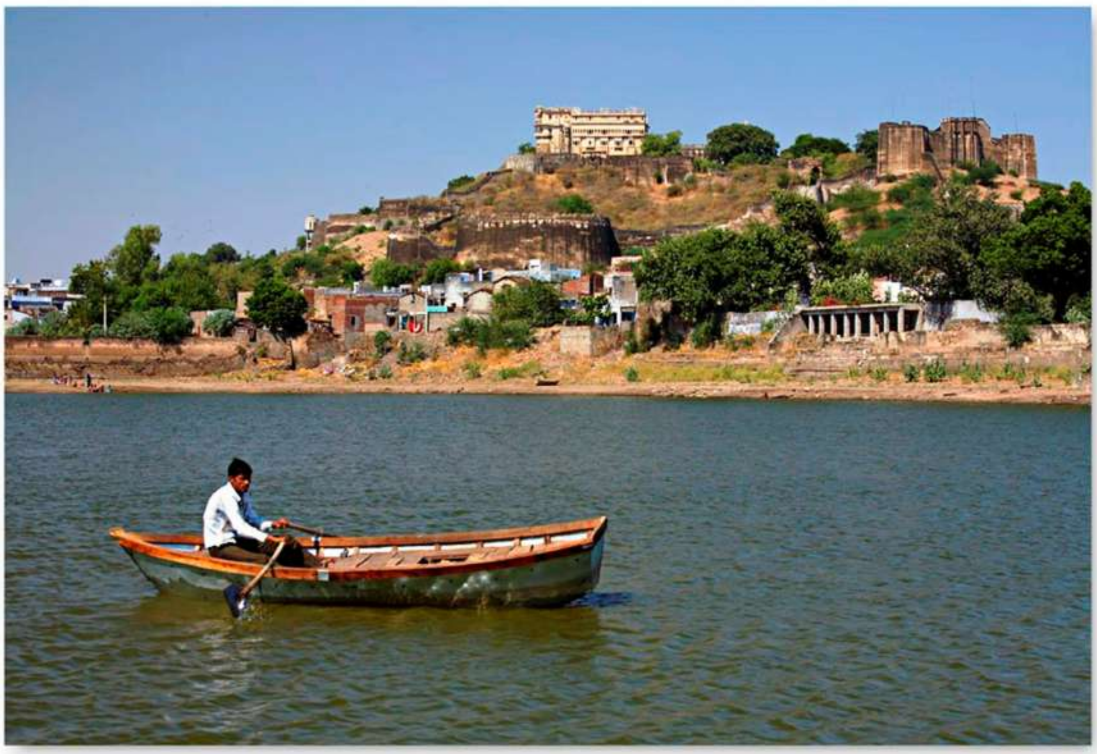

जिला हीट वेव योजना
जिला भीलवाड़ा
वर्ष—2025

जिला भीलवाड़ा – सामान्य जानकारी

• ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भीलवाड़ा जिले के क्षेत्र की पुरातनता सुविख्यात है। बागोर में हुई खुदाई से पाषाण युगीय सभ्यता का पता चलता है। बागोर भारत का सबसे सम्पन्न पाषाणीय सभ्यता वाला स्थान है। यह ऐतिहासिक टीलों से आच्छादित है। पुरानी नदियॉ कोठारी व खारी इसके किनारे स्थित है। बलि का प्रतीक उत्कीर्ण किया हुआ "पूप स्तम्भ" नांदशा में पाया गया है। इस क्षेत्र के प्राचीन अभिलेख गौरवशाली इतिहास के प्रतीक हैं। बिजौलिया से प्राप्त शिलालेख चौथी–पांचवी शताब्दी के गुप्त काल का है।

जिले में नौंवी से बारहवीं शताब्दी के प्राचीन मन्दिर है जो सुन्दर कला एवं स्थापत्य कला के अनूठे नमूने हैं।

यह क्षेत्र गुहिल एवं चौहानों के राज्य का एक भाग भी रहा है। मुगलकाल में भीलवाड़ा जिले के अन्तर्गत शामिल क्षेत्र मेवाड़ राज्य एवं शाहपुरा ठिकाने का एक भाग रहा। मेवाड़ राज्य एवं शाहपुरा ठिकाने के संयुक्त राजस्थान में मिल जाने के बाद सन् 1949 में एक अलग "जिला भीलवाड़ा" अस्तित्व में आया।

• भौगोलिक स्थिति

यह जिला $25^{0}1'$ एवं $27^{0}50'$ उत्तरी अंक्षाश एवं $74^{0}1'$ एवं $75^{0}28'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी भाग में स्थित है । इसके उत्तर में अजमेर, उत्तर–पश्चिम में राजसमन्द, दक्षिण व दक्षिण–पूर्व में चित्तौड़गढ़ तथा पूर्व व उत्तर–पूर्व में बूंदी व टोंक जिले हैं।

• टोपोग्राफी

जिले के पश्चिम भाग को छोड़कर सामान्यतः जिला आयताकार है। पूर्वी भाग के मुकाबले पश्चिम भाग अधिक चौड़ा तथा उत्तरी व दक्षिणी–पूर्वी भाग एक खुला मैदान है। कहीं इक्की–दुक्की पहाड़ियॉ नजर आती है, जबकि दक्षिणी व दक्षिण–पूर्वी भाग में रेतीली भूमि व पहाड़ियॉ है। जिले का भू–भाग एक सामान्यतः एक उठा हुआ पठार है जिसके पूर्व में कहीं–कहीं पहाड़ियॉ है। एक अलग सी पहाड़ी उत्तरी–पूर्वी भाग में जहाजपुर कस्बे तक फैली हुई है। अरावली श्रेणियां जिले के कई स्थानों पर दृष्टिगोचर होती है, जो अधिकांशतः दक्षिणी–पूर्वी भाग में माण्डलगढ़ तहसील में है। जिले का बिजौलिया–माण्डलगढ़ क्षेत्र "ऊपरमाल" कहलाता है।

हीटवेव (लू–तापघात)

राजस्थान राज्य में तापघात एवं शीतघात दोनो प्रकार की आपदाओं की सम्भावनाएं यहाँ की जलवायु के कारण देखी जाती है, साथ ही मोटी बालू भूमि की विशेषता है कि गर्मी के मौसम में बालू शीघ्र गर्म होकर कम दबाव के क्षेत्रों का निर्माण करने के फलस्वरूप गर्म व तीव्र हवायें प्रवाहित होती हैं जिसे स्थानीय भाषा में **'लू'** कहा जाता है वहीं दूसरी ओर शीत ऋतु में बालू मिट्टी वाले क्षेत्रों में अधिक ठण्ड पाई जाती है।

मार्च से जून का समय ऐसा है तापमान में निरन्तर वृद्धि होती है और मई व जून वर्ष का सर्वाधिक गर्म हिस्सा होता है। मई के मध्य दैनिक अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेन्टी. और दैनिक न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेन्टी. रहता है। जून में रात्रि का तापमान मई की अपेक्षा अधिक होता है। गर्मी के मौसम में धूल भरी गर्म हवाएं चलती है, जिससे बेचैनी बढ़ जाती है और गर्मी बहुत भीषण हो जाती है। किसी – किसी दिन अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेन्टी. से 46 डिग्री सेन्टी. तक पहुंच जाता है।

अत्यधिक तापघात के लक्षण

- अत्यधिक पसीना आना
- सिरदर्द होना
- उल्टी होना
- जी मिचलाना
- आलस्य और थकान
- शरीर के तापमान का बढ़ जाना

अत्यधिक तापघात से बचाव के उपाय

- गर्म मौसम में घर से बाहर धूप में न जाये।
- अगर घर से बाहर जावें तो सिर पर पगड़ी या मोटा वस्त्र लपेट लें।
- अधिक मात्रा में जल का सेवन करें।
- भोजन करके ही घर से बाहर निकलें, भूखे पेट न निकलें।
- अगर व्यक्ति तापघात से पीड़ित हो तो शरीर के चारो तरफ गिली पट्टी लपेट दें एवं पंखा करें।
- यदि व्यक्ति पानी की उल्टियाँ करे या उसकी चेतना में बदलाव आये तो उसे कुछ भी खाने व पीने को न दें।
- व्यक्ति को गर्म स्थान से हटाकर ठंडे स्थान पर ले जायें।

- अगर तंग कपड़े हों तो उन्हें ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- कम खाना खाये और अधिक बार खायें। अधिक और भारी खाना पचाने में कठिन होता है और शरीर में आतंरिक तापमान को बढ़ाता है। जिससे स्थिति अधिक गम्भीर हो जाती है।
- यदि तबीयत ज्यादा खराब हो जावे तो तुरन्त चिकित्सक के पास ले जावें।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
गर्मी / लू–ताप की लहर (क्या करें और क्या ना करें / Do's & Don'ts)

क्या करे (Do's)

सभी के लिए :

- रेडियों सुने / टी वी देखें / स्थानीय मौसम की जानकारी के लिए समाचार पत्र पढे या संबधित मोबाईल ऐप डाउनलोड करे।
- पर्याप्त पानी पिये – अपने आप को हाइट्रेटेड रखने के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइट्रशेन सॉल्यूसन), घर के बने पेय जैसे लस्सी, निबूं का पानी, छाछ आदि का सेवन करे।
- हल्के रंग के, ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- यदि कही बाहर है, तो अपना सिर ढके– कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करे। आंखों की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे का प्रयोग करे और त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन लगाये।
- प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण ले।

नियोक्ता और श्रमिक

- कार्य स्थल पर ठंडे पेयजल का प्रबंध करे।
- सभी श्रमिकों के लिए आराम के लिए छाया, साफ पानी, छाछ, आइस–पैक के साथ प्राथमिक चिकित्सा किट और ओआरएस (ओरल रिहाइट्रेशन सॉल्यूसन) का प्रबंध रखे।
- श्रमिकों के लिए सीधी धूप से बचने के लिए कहे।
- श्रमसाध्य कार्यों को दिन के कम ताप वाले समय में ही करे।
- बाहरी गतिविधियों के दौरान विश्राम करने की आवृति और सीमा समय बढाये।
- श्रमिकों को लू से संबधित चेतावनी के बारे में सूचित करे।
- जिन श्रमिकों के लिए गर्मी वाले क्षेत्र नए हो, उन्हे हल्का काम और कम घंटों का काम दें।

अन्य सावधानियां

- बंद वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को कभी अकेला ना छोडे।
- पंखें और नम कपडों का प्रयोग करे, ठंडे पानी में स्नान करे।
- सार्वजनिक परिवहन और कार–पूलिंग का उपयोग करे। यह भूमण्डलिय ऊष्मीकरण और गर्मी को कम करने में मदद करेगा।
- पेड लगाये। सूखी पतियों, कृषि अवशेषों और कचरे को न जलाऐं।
- जल स्त्रोतों का संरक्षण करे। वर्षो के जल को संचयित करे।
- ऊर्जा –कुशल उपकरणों, स्वच्छ ईधन और ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोंतो का उपयोग करे।
- अगर आपकों चक्कर आ रहे है या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे है तो तुरन्त डॉक्टर के पास जाये या किसी को तुरन्त डॉक्टर के पास जाने के लिए कहे।

मवेशीयों के लिए

- पशुओं को छाया में रखें और उन्हे पीने के लिए पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी दे।
- उनसे सुबह 11 बजें से शाम 4 बजे के बीच काम न लें।
- शेड की छत को पुआल से ढक दे, तापमान कम करने के लिए इसे सफेद रंग/चूने से रंग दे या गोबर से लीप दें।
- शेड में पंखे, वाटर स्प्रे और फॉमर्स का प्रयोग करे।
- अत्यधिक गर्मी के दौरान, पानी का छिडकाव करे और मवेशियों को ठंडा करने के लिए एक जल निकाय पर ले जाए।
- उन्हे हरी घास, प्रोटीन–वसा बाईपास पूरक, खनिज मिश्रण और नमक दें।
- कम गर्मी वाले घंटों के दौरान उन्हे चरनें दें।

क्या न करे (Don'ts)

- धूप में बाहर जाने से बचे, खासकर दोपहर 12 और 3 बजे के बीच।
- यदि दोपहर में बाहर हो, तो भारी कामों से बचे।
- नंगे पांव बाहर न जायें।
- दिन के सबसे गर्म समय के दौरान खाना पकाने से बचे। खाना पकाने वाले हिस्से को हवादार बनाए रखने के लिए दरवाजे और खिडकियां खुली रखे।
- शराब, चाय, कॉफी और कॉर्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। वे शरीर को निर्जलित करते है।
- अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें। बासी भोजन ना करे।
- पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोडे, वे गर्म हवा से प्रभावित हो सकते है।
- ऐसे बल्बों का उपयोग करने से बचे जो अनावश्यक गर्मी उत्पन्न करते है, ठीक वैसे ही जैसे कि लगातार चलते हुए कम्प्यूटर या बिजली के उपकरण।

लू से प्रभावित व्यक्ति के उपचार के लिए उपाय :

- तापमान को कम करने के लिए पीडित के सिर पर गीले कपड़े का उपयोग करे/पानी डाले।
- व्यक्ति को ओआरएस/नीबू, शरबत अथवा जो कुछ भी शरीर को पुनः सक्रिय करने के लिए उपयोगी हों, पीने के लिए दे।
- व्यक्ति को तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जाये।
- यदि लगातार उच्च तापमान बना रहता है और सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मतली या भटकाव आदि के लक्षण स्पष्ट महसूस हो तो ऐसी स्थिति में टॉल फ्री नंबर 112 / 108 पर कॉल करे।

राजस्थान सरकार

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, भीलवाड़ा

क्रमांक : आ.प्र.सहा./लू–ताप/2025/83152 दिनांक : 22/4 /2025

हीट वेव 2025 के लिए आयोजित वीसी/बैठक
कार्यवाही विवरण दिनांक 16.04.2025

श्रीमान जिला कलक्टर महोदयकी अध्यक्षता में आज दिनांक 16.04.2025 को बढ़ती गर्मी एवं संभावित हीट वेव की स्थिति में प्रभावी शमन और प्रबन्धन के लिए, लू–ताप से बचाव एवं आमजन को राहत सभी संबंधित जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण की वीसी बैठक आयोजित की गई गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण जिला स्तरीय वीसी कक्ष एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण ब्लॉक स्तरीय वीसी कक्ष से बैठक में जुड़े।

बैठक में अति. जिला कलक्टर (प्रशासन) (हीटवेव 2025 हेतु जिला स्तरीय नोडल अधिकारी) द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से बढ़ती गर्मी एवं संभावित हीट वेव की स्थिति में प्रभावी शमन और प्रबन्धन के लिए, लू–ताप से बचाव एवं आमजन को राहत हेतु आपदा प्रबन्धन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देश/एडवायजरी/एक्शन प्लान के अनुसार विभागवार विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही सभी अधिकारीगण कोहीटवेव के समय सम्बन्धित चेतावनी एवं जानकारी **(https://sachet.ndma.gov.in) (Sachet Mobile App) (IMD Forecast)**से अवगत रहते हुए उपरोक्त एडवायजरी/do's and don'ts/IEC materials का अधीनस्थों एवं आमजन में व्यापक प्रचार–प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया।

श्रीमान श्रीमान जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट महोदय द्वारा उपस्थित सभी अधिकारीगण से की गई तैयारियों पर फीडबैक प्राप्त करते हुए उपरोक्त निर्देशों/एडवायजरीकी अक्षरशः पालना करते हुए निम्नानुसार कार्यवाहीं करने हेतु निर्देशित किया गया:–

1. विशेष रूप से बच्चों, निर्माण/ओद्यौगिक/असंगठित क्षेत्र के वर्कर्स आदि के संबंध में ध्यान देने हेतु निर्देश प्रदान किए। इस क्रम में चिकित्सा विभाग के दलों द्वारा विद्यालयों में विद्यार्थियों को सेंसेटाइज करने के निर्देश भी प्रदान किए गए।
2. सभी प्रमुख संबंधित विभाग (चिकित्सा विभाग, पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग, जिला परिषद, नगर निगम/परिषद/पालिकाएं, श्रम विभाग,PHED, AVVNL, DIC) जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित करेंगे तथा प्राप्त होने वाली सूचनाओं/शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेंगे।
3. सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण अपने अधीनस्थ कार्यालयों में हीटवेव 2025 के संबंध में जारी एडवायजरी/दिशा निर्देशों की अनुपालना (Compliacne) में की गई तैयारियों के लिए गुणात्मक निरीक्षण (Qualitative Inspection) करना सुनिश्चित करेंगे।
4. सभी उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार अपने संबंधित क्षेत्र में प्रमुख विभागों (चिकित्सा विभाग, पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग, जिला परिषद, नगर निगम/परिषद/पालिकाएं, कृषि उपज मण्डी,PHED, AVVNL) के कार्यालयों एवं उनके द्वारा हीटवेव के संबंध में की गई तैयारियों का गुणात्मक निरीक्षण (Qualitative Inspection)सुनिश्चित करेंगे।
5. सभी उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार को उपरोक्तानुसार किए गए निरीक्षणों की सार रिपोर्ट आगामी RO बैठक में प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।
6. सभी विभाग आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबन्धन एवं इस हेतु उचित तत्परता से कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

अति.जिला कलक्टर
भीलवाड़ा

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं पालनार्थः–

01. संयुक्त शासन सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग, राजस्थान जयपुर।
02. सम्भागीय आयुक्त, अजमेर।
03. जिला पुलिस अधीक्षक, भीलवाड़ा।
04. अति. जिला कलक्टर (शहर) भीलवाड़ा/अति. जिला क...
05. उप वन संरक्षक सामाजिक वानिकी (वन विभा...
06. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, भील...

Signature valid
Digitally signed by Omprakash Mehra
Designation : Additional Collector And Additional District Magistrate
Date: 2025.04.22 10:33:13 IST
Reason: Approved

07. अधीक्षण अभियन्ता, जल संसाधन / अ.वि.वि.नि.लि. / सा.नि.वि. / जन स्वा.अभि. विभाग भीलवाड़ा।
08. प्रभारी अधिकारी, भू–अभिलेख अनुभाग, कार्यालय हाजा।
09. समस्त उपखण्ड अधिकारी जिला भीलवाड़ा।
10. सचिव नगर विकास न्यास भीलवाड़ा।
11. आयुक्त नगर निगम, भीलवाड़ा।
12. जिला शिक्षा अधिकारी मा0 प्रथम / मा0 द्वितीय / प्रा0, भीलवाड़ा।
13. प्राचार्य समस्त महाविद्यालय / कॉलेज जिला भीलवाड़ा।
14. समस्त तहसीलदार जिला भीलवाड़ा।
15. समस्त अधिशाषी अधिकारी नगर पालिकाऐं जिला भीलवाड़ा।
16. मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी भीलवाड़ा।
17. अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन खण्ड प्रथम भीलवाड़ा।
18. उपनिदेशक, पशुपालन विभाग / मत्स्य विभाग / कृषि विभाग।
19. क्षेत्रीय प्रबन्धक रीको / महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र / उपायुक्त श्रम विभाग।
20. जिला परिवहन अधिकारी, / मुख्य आगार प्रबन्धक राज.रा. पथ परि. नि. लि. भीलवाड़ा।
21. महाप्रबन्धक, दूरसंचार विभाग भीलवाड़ा।
22. जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी भीलवाड़ा ।
23. जिला रसद अधिकारी, भीलवाड़ा / जिला प्रोग्राम अधिकारी एनआइसी जिला भीलवाड़ा।
24. समस्त विकास अधिकारी प0स0 जिला भीलवाड़ा।
25. सचिव समस्त कृषि उपज मण्डियां जिला भीलवाड़ा।
26. अधीक्षक डाक एवं तार विभाग भीलवाड़ा।
27. समावेष्ठा, होम गार्ड विभाग भीलवाड़ा।
28. रेल्वे अधीक्षक, भीलवाड़ा।
29. मुख्य आयोजना अधिकारी भीलवाड़ा / सहायक निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग भीलवाड़ा सह प्रभारी अधिकारी, जिला आपदा प्रबन्धन / बाढ़ नियंत्रण कक्ष भीलवाड़ा।
30. सर्कल आर्गेनाइजर (स्काउड / गाइड), भीलवाड़ा।
31. अति0 निजी सचिव, जिला कलक्टर, भीलवाड़ा / निजी सहायक अति0जिला कलक्टर (प्रशासन / शहर) भीलवाड़ा।
32. ——————————————।

अति. जिला कलक्टर
भीलवाड़ा

Signature valid

Digitally signed by Omprakash Mehra
Designation : Additional Collector And Additional District Magistrate
Date: 2025.04.22 10:33:13 IST
Reason: Approved

राजस्थान सरकार

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, भीलवाड़ा

क्रमांक : आ.प्र.सहा. / लू–ताप / 2025 / 83157 दिनांक : 23/4 /2025

श्रीमान संयुक्त शासन सचिव
आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
राजस्थान जयपुर

विषय :– माननीय न्यायालय के स्वप्रेरणा संज्ञान द्वारा हीटवेव की तैयारियों की अनुपालना रिपोर्ट भिजवाने के सम्बन्ध में।

प्रसंग :– आपका पत्रांक एफ.1(2) / आ.प्र. एवं सहा / लू–ताप / 2025 दिनांक 21.04.2025 के क्रम में।

महोदय

उपरोक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक पत्र द्वारा माननीय उच्च न्यायालय राजस्थान के "Beat the Heatwave and Climate Change to Save the Life of Public at Large" विषय पर स्वपेरणा संज्ञान दिनांक 17.04.2025 द्वारा बिन्दू संख्या 22 व 26 के संबंध में अनुपालना रिपोर्ट चाही गई है। बढ़ती गर्मी एवं संभावित हीट वेव की स्थिति में प्रभावी शमन और प्रबन्धन के लिए, लू–ताप से बचाव एवं आमजन को राहत हेतु जिले में निम्नानुसार कार्यवाही की जा रही है –

1. आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, जयपुर के पत्रांक एफ 14(01)आ.प्र. एवं सहा. / लू–ताप / 2025 / RAJKAJ 14444933 दिनांक 28.03.2025 द्वारा जारी एडवायजरी / IEC एवं भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देश की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के लिए जिले के समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ दिनांक 09.04.2025 एवं 16.04.2025 को बैठक की गई।
2. जिले के सभी संबंधित विभागों के समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ दिनांक 16.04.2025 को बैठक / वीसी आयोजित कर हीट वेव प्रबन्धन हेतु निर्धारित एडवायजरी एक्शन प्लान के अनुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।
3. जिले में हीट वेव प्रबन्धन के लिए अति. जिला कलक्टर (प्रशासन) एवं प्रभारी अधिकारी, आपदा प्रबन्धन एवं सहायता अनुभाग भीलवाडा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।
4. जिला स्तर पर 24*7 आपदा त्वरित कार्यवाही दल एवं कन्ट्रोल रूम (कन्ट्रोल रूम टेलिफोन नंबर 01482–232671) संचालित है।
5. इस कार्यालय के आदेश 83146 दिनांक 08.04.2025 द्वारा विभागवार विस्तृत दिशा निर्देश / कार्ययोजना जारी कर दी गई है। (प्रति संलग्न है)
6. सभी विभागों को प्राप्त होने वाली शिकायतों / आपात सूचनाओं पर तत्काल संज्ञान लेकर मौका मुआयना सुनिश्चित करने एवं त्वरित निस्तारण करने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।
7. जिले के प्रबुद्धजन एवं समाजसेवी संस्थाओं / एनजीओ के सम्पर्क में रहकर आपदा की स्थिति में समुचित सहयोग लिया जाएगा।
8. बच्चों, आउटडोर वर्कर्स, वृद्धों, असहाय–निर्धनजनों आदि का विशिष्ट ध्यान रखा जाकर इस हेतु आमजन व विशेषकर शिक्षण–संस्थानो में जागरूकता का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।
9. सभी अधिकारीगण को मौसम विभाग / सचेत द्वारा समय–समय पर जारी की जाने वाली चेतावनियों / फोरकास्ट से अवगत रहने एवं अधीनस्थों / संबंधित को इस हेतु सेंसेटाइज रखने के निर्देश दिए गए है। हीटवेव से संबंधित एडवायजरी / फॉरकास्ट / चेतावनी / IEC Materials का आमजन में प्रिन्ट मीडिया, टीवी, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार निर्देशों / कार्ययोजना के अनुसार जिले के विभिन्न संबंधित विभागों / कार्यालयों द्वारा की गई कार्यवाही एवं अनुपालना रिपोर्ट निम्नानुसार है –

1. **उपखण्ड / तहसील कार्यालय :–**
    - सम्मेलन / जनसभा / कार्यक्रम, जिनमें अधिक संख्या में जनसमूह इकट्ठा हो, में हीट वेव एडवायजरी अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

- संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों के साथ प्रभावी समन्वय कर चिन्हित स्थानों पर छाया, पानी, वाटर कूलर, ओआरएस आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।
- संबंधित क्षेत्र के श्रमिकों, ठेला चालको, आउटडोर वर्कर्स से संबंधित संस्थाओं/विभागों आदि को हीटवेव के दौरान बचाव एवं प्रबन्धन हेतु समन्वय किया गया है एवं IEC Materials के माध्यम से जन जागरूकता सुनिश्चित की जा रही है।
- क्षेत्र के पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर हीटवेव से बचाव/प्रबंधन हेतु छाया-पानी की व्यवस्था कार्यवाहीं सुनिश्चित की गई है।

2. <u>चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग</u> :-
   - जिला मुख्यालय एवं सभी खण्ड मुख्यालयों पर कन्ट्रोल रूम स्थापित किए जाकर जिले में कुल 131 रेपिड रिस्पोंस दल गठित किए गए है।
   - जिले में सभी चिकित्सालयों/उपजिला चिकित्सालय/सा.स्वा.केन्द्र पर हीट वेंव हेतु समर्पित (Dedicated) ओपीडी संचालित किए जाकर कुल 264 बेड आरक्षित किए गए है तथा पंखे, कूलर, छाया-पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।
   - मेडिकल किट, जीवन रक्षक दवाईयां, ओआरएस, आईस पैक, सर्जिकल आईटम, एम्बुलेंस आदि की चिकित्सा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।
   - एम्बुलेंसों में हीट वेव से संबंधित दवाईयों की किट बना कर रखी गई है।
   - क्षेत्र में संभावित Mass Gathring की स्थिति पर संबंधित चिकित्सा संस्थान/केन्द्र अलर्ट रहेंगे।
   - अपने अधीनस्थ सभी हेल्थ वर्कर्स/अधिकारी/कर्मचारीगण को सेंसेटाईज कर अपेक्षित कार्यवाही हेतु निर्देशित/प्रशिक्षित किया गया है।

3. <u>नगर निगम भीलवाड़ा</u> :-
   - उपलब्ध अग्निशमन वाहनों/यंत्रों को आपात स्थिति के लिए तैयार रखा जाकर अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त कर दिए गए है।
   - हीटवेव प्रबन्धन हेतु छाया-पानी, कूलर, ओआरएस सुविधाओं युक्त आश्रय स्थल बनाए गए है।
   - चिन्हित स्थानों यथा चौराहों, मजदूर/आमजन के एकत्र होने वाले स्थानों, सड़कों, शहरी रोजगार योजना स्थलों आदि पर छाया, पानी, कुलर आदि की व्यवस्था की गई है।
   - साथ ही गौशालाओं में भी पर्याप्त पानी, चारा एवं छाया की व्यवस्था की गई है एवं पक्षियों हेतु प्रमुख स्थानों पर दाना-पानी की व्यवस्था की गई है। सड़क पर आवारा पशुओं/गायों को काइन हाउस में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।
   - प्रमुख मार्गों/बाजार/बस स्टेण्ड/रेलवे स्टेशन पर छाया-पानी, ओआरएस, पानी के छिड़काव की व्यवस्था की गई है।
   - पार्क/पर्यटन क्षेत्रों आदि पर पेयजल एवं छाया व्यवस्था सुनिश्चित की जावेगी।
   - कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से हीटवेव से सबंधित IEC Materials का प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

4. <u>जिले के अन्य नगरीय निकाय कार्यालयः</u>-
   - उपलब्ध अग्निशमन वाहनों/यंत्रों को आपात स्थिति के लिए तैयार रखा गया है।
   - हीटवेव प्रबन्धन हेतु छाया-पानी, कूलर, ओआरएस सुविधाओं युक्त आश्रय स्थल बनाए गए है।
   - चिन्हित स्थानों यथा चौराहों, मजदूर/आमजन के एकत्र होने वाले स्थानों, सड़कों, शहरी रोजगार योजना स्थलों आदि पर छाया, पानी, कुलर आदि की व्यवस्था की गई है।
   - साथ ही गौशालाओं में भी पर्याप्त पानी, चारा एवं छाया की व्यवस्था की गई है एवं पक्षियों हेतु प्रमुख स्थानों पर दाना-पानी की व्यवस्था की गई है।
   - प्रमुख मार्गों/बाजार/बस स्टेण्ड पर पानी के छिड़काव की व्यवस्था की गई है।
   - पार्क/पर्यटन क्षेत्रों आदि पर पेयजल एवं छाया व्यवस्था सुनिश्चित की जावेगी।
   - सड़क पर आवारा पशुओं/गायों को काइन हाउस में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

5. **ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज (जिला परिषद)** :–

- मनरेगा/निर्माण वर्कर्स हेतु विभागीय निर्देशों/एडवायजरी अनुसार हीटवेव से बचाव हेतु शेल्टर्स/पेयजल/समय प्रबंधन किया गया है।
- पार्क/पर्यटन क्षेत्रों आदि पर पेयजल एवं छाया व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।
- निराश्रित पशुधन को काइन हाउस में रखने की व्यवस्था की जा रही है।

6. **रीको/श्रम विभाग/उद्योग विभाग**:–

- निर्माण/उद्योग/वाणिज्यिक संस्थानों/प्रतिष्ठानों को हीट वेव से बचाव/प्रबन्धन हेतु प्रशिक्षित करने तथा विभागीय निर्देशों/एडवायजरी अनुसार हीटवेव से बचाव हेतु शेल्टर्स/पेयजल/समय आदि प्रबंधन हेतु निर्देशित कर दिया गया है।
- असंगठित क्षेत्र के वर्कर्स, ईंट भट्टा संचालकों, व्यापारिक संगठनों, श्रमिक संगठनों, ठेकेदारों को एडवायजरी अनुसार हीटवेव से बचाव के उपाय सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।

7. **कृषि/पशुपालन विभाग/कृषि उपज मण्डियां**:–

- हीट वेव के समय पशुओ के बचाव हेतु समस्त पशु चिकित्सा केन्द्रों/गौशालाओ के लिए पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाईयों, चारा एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है।
- पशु चिकित्सा अधिकारियों को गौशालाओं में नियमित निरीक्षण एवं बीमार पशुधन को तत्काल चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है।
- फसलों/उपज/पशुधन में हीटवेव से नुकसान से बचाव हेतु कृषकों/पशुपालकों को जागरूक किया जा रहा है तथा कृषि उपज मण्डियों में छाया–पानी की व्यवस्था कर ली गई है।
- पशुओ को सुरक्षित रखने हेतु तथा प्रभावित क्षेत्रो में चारा, पशु आहार व मृत पशुओं के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।
- जिले के गौशाला संचालकों के साथ दिनांक 21.04.2025 को जिला कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर गौशालाओं में छाया–पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

8. **शिक्षा विभाग**:–

- समस्त विद्यालयों में एडवायजरी अनुसार विद्यार्थियों के हीट वेव/गर्मी से बचाव हेतु पेयजल/छाया आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।
- कक्षाएं, प्रार्थना–सभा, मिड–डे मील, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां छायायुक्त स्थानों पर ही संचालित किए जा रहे है।
- विद्यालयों में प्राथमिक उपचार पेटी, ओआरएस की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है तथा बाल वाहनियों में हीटवेव से बच्चों के बचाव की सुनिश्चिता की जा रही है।
- समस्त संस्थाप्रधानों को अपने निकटस्थ चिकित्सालय से समन्वय रखने तथा आपात स्थिति में तत्काल सम्पर्क हेतु निर्देशित कर दिया गया है।

9. **जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग**:–

- जिले में सभी गावों एवं शहरों में निरन्तर शुद्व पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसके अतिरिक्त जिले में 24864 हेडपंप क्रियाशील है।
- पाईपलाईन की लीकेज यथासमय ठीक किए जा रहे है तथा आपात व्यवस्थाओं हेतु टेंकर एवं अन्य संसाधनों की पूर्व व्यवस्था की गई है।

10. **वन विभाग** :–

- वन्यजीवों के पेयजल हेतु वाटर हॉल में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है।
- आमजन एवं संगठनों के माध्यम से भी वन्यजीवों हेतु टेंकों में पेयजल भरवाने हेतु मुहिम चलाई जा रही है।
- वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कार्मिकों एवं जनसाधारण हेतु एडवायजरी अनुसार अभियान के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

11. अजमेर विद्युत वितरण निगम लि0 :–

- चिकित्सालयों / केन्द्रों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।
- विभागीय मेन्टेनेंस कार्यों का आमजन में प्रचार प्रसार किया जाकर न्यूनतम समय में कार्य पूर्ण किया जावेगा।

12. सूचना एवं जन सम्पर्क विभागः–

- जिले में हीटवेव के समय सम्बन्धित प्रशासनिक तैयारियों, चेतावनी एवं जानकारी **(https://sachet.ndma.gov.in)** **(Sachet Mobile App)** **(IMD Forecast)** आदि का समाचार पत्रों / सोशल मीडिया / टीवी के माध्यम से आमजन, स्कूल एवं कॉलेज में व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जा रहा है।
- उपरोक्त एडवायजरी / do's and don'ts/IEC materials का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

उपरोक्त रिपोर्ट / सूचना श्रीमान जिला कलक्टर महोदय से अनुमोदित है।

संलग्नः– उपरोक्तानुसार।

भवदीय

अति. जिला कलक्टर
भीलवाड़ा

राजस्थान सरकार

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, भीलवाड़ा

क्रमांक : आ.प्र.सहा. / लू–ताप / 2025 / 1471631 दिनांक : 09/04/2025

हीट वेव 2025 के लिए आयोजित वीसी / बैठक
कार्यवाही विवरण दिनांक 09.04.2025

माननीय मंत्री महोदय आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान द्वारा आज दिनांक 09.04.2025 को बढ़ती गर्मी एवं संभावित हीट वेव की स्थिति में प्रभावी शमन और प्रबन्धन के लिए, लू–ताप से बचाव एवं आमजन को राहत हेतु वीसी बैठक ली गई। जिसमें श्रीमान जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट महोदय, अति. जिला कलक्टर (प्रशासन) एवं निम्नानुसार अधिकारीगण उपस्थित रहे –

क्र. स.	नाम अधिकारी / कर्मचारी	पद एवं कार्यालय	मोबाइल नंबर
1	डॉ. सी.पी. गोस्वामी	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भीलवाडा	8696947181
2	श्री गोपाल टेलर	अधिशाषी अभियंता, जिला परिषद	9983324189
3	श्री वी.के. संचेती	अधीक्षण अभियंता, एवीवीएनएल, भीलवाडा	9414004073
4	श्री इशांत काबरा	सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय भीलवाडा	7820971074
5	श्री रामेश्वर जीनगर	जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक)	9414574106
6	श्री धनपत राज सोनी	अधीक्षण अभियंता पीएचईडी, वृत भीलवाडा	9414423953
7	डॉ. ए.के. सिंह	संयुक्त निदेशक, पशु पालन विभाग, भीलवाडा	9414740748
8	श्री के.के. मीणा	जीएम जिला उद्योग केन्द्र	9414025684
9	श्री हेमाराम	सीएमसी, नगर निगम, भीलवाडा	9462791984
10	श्री सुनिल कुमार यादव	डी.एल.सी., श्रम विभाग, भीलवाडा	7023313276
11	श्री आशीष कुमार	एल.आई. श्रम विभाग, भीलवाडा	8769990619

बैठक में आपदा प्रबन्धन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देश / एडवायजरी / एक्शन प्लान पर चर्चा की गई। श्रीमान श्रीमान जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट महोदय द्वारा उपस्थित सभी अधिकारीगण को विभाग द्वारा दिशा निर्देश / एडवायजरी / एक्शन प्लान एवं इस कार्यालय द्वारा जारी कार्ययोजना क्रमांक 83146 दिनांक 08.04.2025 की अक्षरशः पालना करने हेतु निर्देशित किया तथा विशेष रूप से बच्चों, निर्माण / ओद्यौगिक / असंगठित क्षेत्र के वर्कर्स आदि के संबंध में ध्यान देने हेतु निर्देश प्रदान किए।

साथ ही निर्देशित किया गया कि सभी अधिकारीगण जिले में हीटवेव के समय सम्बन्धित चेतावनी एवं जानकारी **(https://sachet.ndma.gov.in) (Sachet Mobile App) (IMD Forecast)** से अवगत रहते हुए उपरोक्त एडवायजरी / do's and don'ts का अधीनस्थों एवं आमजन में व्यापक प्रचार–प्रसार करे तथा अन्तर्विभागीय समन्वय सुनिश्चित करें।

अति.जिला कलक्टर
भीलवाड़ा

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं पालनार्थ :–

01. संयुक्त शासन सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग, राजस्थान जयपुर।
02. सम्भागीय आयुक्त, अजमेर।
03. जिला पुलिस अधीक्षक, भीलवाड़ा।
04. अति. जिला कलक्टर (शहर) भीलवाड़ा / अति. जिला कलक्टर शाहपुरा।
05. उप वन संरक्षक सामाजिक वानिकी (वन विभाग) भीलवाड़ा।
06. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, भीलवाड़ा।

Signature valid
Digitally signed by O...

09. समस्त उपखण्ड अधिकारी जिला भीलवाड़ा।
10. सचिव नगर विकास न्यास भीलवाड़ा।
11. आयुक्त नगर निगम, भीलवाड़ा।
12. जिला शिक्षा अधिकारी मा0 प्रथम/मा0 द्वितीय/प्रा0, भीलवाड़ा।
13. प्राचार्य समस्त महाविद्यालय/कॉलेज जिला भीलवाड़ा।
14. समस्त तहसीलदार जिला भीलवाड़ा।
15. समस्त अधिशाषी अधिकारी नगर पालिकाऐं जिला भीलवाड़ा।
16. मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी भीलवाड़ा।
17. अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन खण्ड प्रथम भीलवाड़ा।
18. उपनिदेशक, पशुपालन विभाग/मत्स्य विभाग/कृषि विभाग।
19. क्षेत्रीय प्रबन्धक रीको/महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र/उपायुक्त श्रम विभाग।
20. जिला परिवहन अधिकारी,/मुख्य आगार प्रबन्धक राज.रा. पथ परि. नि. लि. भीलवाड़ा।
21. महाप्रबन्धक, दूरसंचार विभाग भीलवाड़ा।
22. जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी भीलवाड़ा ।
23. जिला रसद अधिकारी, भीलवाड़ा/जिला प्रोग्राम अधिकारी एनआइसी जिला भीलवाड़ा।
24. समस्त विकास अधिकारी प0स0 जिला भीलवाड़ा।
25. सचिव समस्त कृषि उपज मण्डियां जिला भीलवाड़ा।
26. अधीक्षक डाक एवं तार विभाग भीलवाड़ा।
27. समावेष्ठा, होम गार्ड विभाग भीलवाड़ा।
28. रेल्वे अधीक्षक, भीलवाड़ा।
29. मुख्य आयोजना अधिकारी भीलवाड़ा/सहायक निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग भीलवाड़ा सह प्रभारी अधिकारी, जिला आपदा प्रबन्धन/बाढ़ नियंत्रण कक्ष भीलवाड़ा।
30. सर्कल आर्गेनाइजर (स्काउड/गाइड), भीलवाड़ा।
31. अति0 निजी सचिव, जिला कलक्टर, भीलवाड़ा /निजी सहायक अति0जिला कलक्टर (प्रशासन/शहर) भीलवाड़ा।
32. ______________________।

अति. जिला कलक्टर
भीलवाड़ा

Signature valid
Digitally signed by Om Prakash Mehra
Designation :Additional Collector And

राजस्थान–सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भीलवाडा (राज.)

DN→ 2240/10-3-25

Email ID- bhilwara_idsp@yahoo.co.in

लू–तापघात (ताप लहर) के बेहतर प्रबंधन हेतु कार्य योजना वर्ष 2025

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जिला–भीलवाडा (राज.)

संभावित परिदृश्य :–

लू ताप घात से आम जनता भली प्रकार से परिचित हैं एवं समय–समय पर सरकार एवं अन्य स्वयं सेवी संस्थायें विभिन्न माध्यमो से स्वास्थ्य शिक्षा एवं लू तापघात से बचने के लिये जन जागृती पैदा करती रही है। लु तापघात, शरीर मे लवण व पानी की आवश्यकता व अनुपात के विकृति के कारण होती हैं। मस्तिष्क का एक केन्द्र जो मानव के तापमान को समान्य बनाये रखता हैं । जो काम करना छोड़ देता है । लाल रक्त कोशिकायें रक्त वाहिनीयो में टूट जाती है व कोशिकाओं में जो पोटेशियम लवण होता है व रक्त संचार में आ जाता हैं। इसमें हृदय गति व शरीर के अन्य अवयव व अंग प्रभावित हो कर लू तापघात के रोगी को मृत्यु के मुहँ में धकेल देते है।

इस गर्मी के प्रकोप मे लू से कोई भी आकान्ता/ग्रसित हो सकता है। परन्तु बच्चे, वृद्ध, गर्भवती महिलांऐ धुप में व दोपहर मे कार्यरत श्रमिक, यात्री खिलाडी व ठंडी जलवायु मे रहने वाले व्यक्तियो के लू लगने की संभावनांये अधिक रहती है।

लू तापघात के लक्षण :–

1. सिर का भारीपन व सिरदर्द।
2. अधिक प्यास लगना व शरीर मे भारीपन के साथ थकावट।
3. जी मिचलाना, सिर चकराना व शरीर का तापमान अत्यधिक बढना (105F. या अधिक) हो जाना , पसीना आना बन्द होना, मुंह का लाल होना एवं त्वचा का सूखा होना।
4. पानी की कमी होना, बैहोशी जैसी स्थिति का होना/ बेहोश होना।
5. प्राथमिक उपचार/समुचित उपचार के अभाव में मृत्यु भी संभव है।

लू तापघात से बचाव के उपाय :–

1. लू तापघात से प्रायः कुपोषित बच्चे, वृद्ध गर्भवती महिलाऐं, श्रमिक आदि शीध्र प्रभावित हो सकते है। इन्हे प्रातः 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक तेज गर्मी से बचाने हेतु छायादार ठंडे स्थान पर रखने का प्रयास करें।
2. तेज धुप मे निकलना पड़े तो ताजा भोजन करके उचित मात्रा मे ठंडे जल का सेवन कर बाहर निकले।
3. थोडे–थोड़े अन्तराल मे ठंडा पानी, शीतल पेय जैसे–छाछ, आम का पना, ताजा फलो का रस आदि का सेवन करे।
4. तेज धुप मे बाहर निकला पड़े तो छाते का उपयोग करे तथा शरीर के अंगो/सिर आदि को हल्के रंग के सुती कपडे से ढक कर रखें।
5. अकाल राहत कार्य/निर्माण कार्य स्थलो पर श्रमिको हेतु छाया एवं पानी की उचित व्यवस्था रखी जावें। ताकी श्रमिक थोड़ी–थोड़ी देर मे छायादार स्थानो पर विश्राम कर सकें।

लू तापघात का उपचार :–

1. लु तापघात से प्रभावित रोगी को तुरन्त हवा व छायादार ठंडे स्थान पर लिटा दें।
2. रोगी की त्वचा को गीले कपड़े से स्पंज करते रहें तथा रोगी के कपड़ो को ढीला कर दें। रोगी के आस–पास
   भीड़ ईकट्ठा ना होने दें।
3. रोगी होश मे हो तो उसे ठंडे पेय पदार्थ देवें।
4. रोगी को तत्काल नजदीक के चिकित्सालय मे उपचार हेतु लेकर जावें।

ात हेतु कार्ययोजना :–

1. जिले के समस्त सामु0/प्राथ0/ शहरी प्राथ0 स्वा0 केन्द्र पर कन्ट्रोल रूम एवं रेपिड रेसपोंस टीमों का गठन किया जा चुका। सभी चिकित्सा संस्थानो मे आवश्यक ऐम्बुलेंस, दवाइयों, मोबाइल चिकित्सा दलों, जीवन–रक्षक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।
2. चिकित्सां संस्थानो में लू–तापघात के रोगीयों हेतु दो–चार बैड की अलग से व्यवस्था सुनिश्चि करवाई जा रही है। तथा वार्ड को ठण्डा रखने के लिये कुलर, पखें की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। तथा रिपेरिंग वाले कुलर पंखो की रिपेरिंग करवाई जा रही है।
3. जिले के जिला चिकित्सालय सहित सभी चिकित्सा संस्थानो पर उपचार हेतु आवश्यक दवाईयां, ओ.आर. एस., ड्रिप सेट, आई.वी फ्लूड–जी.एन.एस/जी.डी.डब्ल्यू /आर.एल0आदि उचित मात्रां मे उपलब्ध है।

भीलवाडा जिले में गर्मियों में तापमान अधिक रहने की सम्भावना बनी हुई है। जिससे लोगो की जानें चली जाती है। फसलों को क्षति पहुंचती है, पानी की कमी हो जाती है। बीमारियां फैलने लगती है और तमाम स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो जाती है।

Temperature Table Last 5 Year Dist-Bhilwara (Raj.)

Year	Month	Max (Temp in C.)	Min (Temp in C.)	Average (Temp in C.)
2019	May	42	23	34
	June	45	25	34
2020	May	44	23	34
	June	46	23	35
2021	May	44	23	34
	June	46	21	33
2022	May	42	20	32
	June	41	20	33
2023	May	46	24	36
	June	48	25	37
Source of above information https://www.timeanddate.com/				

लू–ताप लहर का मुकाबला करने के लिए बचाव, राहत, रिसपॉन्स और पुनर्वास ऑपरेशन में संलग्न विभागो, एंजेसियों और सहभागियों के लिए निम्न लिखित कार्य योजनाएं है :–

कमांक	विभाग	लू–तापघात कार्य योजना
1.	जिला प्रशासन	• जरुरी दिशानिर्देश जारी करना तथा सभी विभागो के बीच कारगर एंव सम्बधित रिसपॉन्स सुनिश्चित करना। • मूल्यांकन के आधार पर मुआवजे की व्यवस्था करना।
2.	पीआरआई/ स्थानीय प्रशासन	• सभी अधिकारियों जैसे पटवारी, ग्राम सेवक, चौकीदार, आशा सहयोगिनी, आंगनबाडी सेविका को निर्देश देना कि वे प्रशासन को समय–समय पर जानकारी दें जिससे लोगों की शिकायतों को दूर करने के उपाय किये जा सके। • स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग करना। • हाइजीन और सेनिटेशन कार्यकमों को प्रोत्साहन देना। • जिल के समस्त मनरेगा स्थलों पर कार्य कर रहे लोगों के लिए लू–तापघात से बचाव के लिए समुचित प्रबंध करना उनके पीने के स्वच्छ ठण्डे पानी एवं छांया व बैठने की उचित व्यवस्था करना।

		साथ ही ऐमरजेन्सी मेडिकल कीट (आवश्यक दवाईयों की कीट) की उपलब्धता सदैव बनाये रखने हेतु चिकित्सा विभाग से समन्वय बनाये रखना। **अलर्ट एवं चेतावनी चरण** 1. सभी अग्निशमन केन्द्रो को चेतावनी जारी करना। 2. सभी संसाधनों को तैयार अवस्था में रखना। **आपदा के दौरान** 1. पानी के टेंकर, ट्रेक्टर, क्रेन्स और अन्य उपकरण जैसे अग्नि सूट, मास्क, कम्बल, जैनरेटर, आदि तैनात करना और पर्याप्त मात्रा में श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। 2. तेल, गैस एवं अन्य खतरनाक पदार्थो के रिसाव से पैदा होने वाली संभावित संकटकालीन स्थितियों पर नियंत्रण रखना। **रिसपॉन्स एवं पुनर्वास चरण** 1 लू–तापघात का कारगर तरीके से मुकाबला करने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओ, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स(एस.एच.जी), व सरकारी संस्थाओ में समन्वय स्थापित करना। • पंचनामा के आधार पर मुआवजा दिलवाना।
3	सूचना एवं जनसंपर्क विभाग	➢ लोगों को स्वास्थ्य, सेनिटेशन एंव हाइजीन के बारे में जागरुक करने के लिए आईईसी द्वारा जारी नोटिस, पोस्टर, जिंगल्स, रेडियों टीवी कार्यक्रमों को जारी/प्रकाशित करना। ➢ सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यो के बारे में मीडियों के लिए बुलेटिन जारी करना। ➢ अफवाहो से बचने के लिए यह सुनिश्चित करना कि मीडिया को दी गई सूचनाएं एकदम सही है। ➢ आपदा के समय क्या करें और क्या ना करें, के बारे में संबंधित अन्य लोगों को जानकारी प्रसार करना। ➢ नवीनतम आपातकालीन स्थिति के बारे में सार्वजनिक जानकारी रखें (प्रभावित क्षेत्र, जान–माल नुकसान आदि)। ➢ लोगों को विभिन्न आपदा पश्चात् सहायता और रिकवरी कार्यक्रम के बारे में सूचित करना। ➢ समय–समय पर बुलेटिन जारी करना। ➢ सरकार द्वारा किये जा रहे राहत कार्यो की जनता को जानकारी देना।
4.	चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग	➢ जिले मे जिला चिकित्सालय के साथ समस्त ब्लॉक स्तर/समस्त सामु0/प्राथ0/ शहरी प्राथ0 स्वा0 केन्द्र पर कन्ट्रोल रूम एवं रेपिड रेसपोंस टीमों का गठन किया जा चुका। सभी चिकित्सा संस्थानो मे आवश्यक ऐम्बुलेंस, दवाइयों, मोबाइल चिकित्सा दलों, जीवन–रक्षक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। ➢ जिला चिकित्सालय में लू–तापघात के रोगीयों हेतु वार्ड मे छः से दस बैड एवं जिले के अन्य समस्त चिकित्सा संस्थानों पर लू–तापघात के रोगीयों हेतु वार्ड मे दो–चार बैड की अलग से व्यवस्था की जावे। वार्ड को ठण्डा रखने के लिये कुलर, पखें की व्यवस्था करना।

		➢ इसी तरह फ्लू, जल जनित रोग के रोगियों को अलग वार्ड में रखना। ➢ जिले के जिला चिकित्सालय सहित सभी चिकित्सा संस्थानो मे आने वाले रोगियो एवं परिजनो हेतु पीने के ठण्डे पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करना। ➢ जिले के जिला चिकित्सालय सहित सभी चिकित्सा संस्थानो पर उपचार हेतु आवश्यक दवाईयां, ओ.आर.एस., ड्रिप सेट, आई.वी फ्लूड–जी.एन.एस/जी.डी.डब्ल्यू /आर.एल0आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है ➢ नगर पालिका, स्थानीय प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से सम्पर्क कर जगह–जगह पानी एवं छांया की व्यवस्था करने हेतु प्रेरित करना। ➢ शिक्षा विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग से समन्वय स्थापित कर स्कुलों/आगंनवाडी केन्द्रो का समय परिवर्तन करवाने हेतु अनुरोध किया जावे। ➢ जिले मे संचालित होने वाले शिविर स्थलों पर पानी, कुलर, छांया एवं आवश्यक दवाईयो की उपलब्धता सुनिश्चित करावें। ➢ लू–तापद्यात की दैनिक रिर्पोट कार्यालय को प्रतिदिन दोपहर दो बजे तक कार्यालय की ई–मेल आईडी (bhilwara_idsp@yahoo.co.in) पर या फोन के माध्यम से उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। ➢ उपकरण / मशीन(पंखे, कूलर, वाटर कूलर, वार्ड के ए.सी. इत्यादि, को अपग्रेड और कार्यरत स्थिति में बनाए रखा जाना चाहिए। ➢ ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर लगाना एवं मोबाईल मेडिकल यूनिट (एमएमयू)/मोबाईल मेडिकल वेन (एमएमवी) व आरबीएसके टीमों द्वारा लोगों, विषेशरूप से महिलाओं और बच्चों, के पौषण स्तर का परीक्षण और जरूरी इलाज करना। ➢ प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस (प्रत्येक माह की 9 तारीख) पर गर्भवती महिलाओं को लू–तापघात एवं अन्य मौसमी बिमारियों से बचाव व उपचार के प्रति जागरूक करना। ➢ होटलों/दुकानों/ठेलों एवं सामुदायिक रसोई में दूशित व मिलावटी खाद्यान्नो एवं पके हुये खाद्य सामग्री का परीक्षण एवं उन्हें नष्ट करवाना। ➢ पीएचईडी विभाग से समन्वय स्थापित कर स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना। ➢ मौसमी बिमारियों पर सतत निगरानी बनाये रखना।
5.	आयुर्वेद	➢ चिकित्सा विभाग के साथ समन्वय स्थापित करना और सहयोग देना। ➢ जिले के जिला आर्युवैद चिकित्सालय के साथ समस्त आर्युवेद चिकित्सालयों पर कन्ट्रोल रूम एवं चिकित्सा दलो का गठन करना। सभी चिकित्सा संस्थानो में आवश्यक दवाइयों, चिकित्सा दलों, जीवन–रक्षक औशधियों की व्यवस्था करना।

		➢ जिले के जिला आर्युवैद चिकित्सालय में लू–तापघात के रोगीयों हेतु वार्ड मे दो से चार बैड एवं जिले के अन्य समस्त आर्युवेद चिकित्सालय पर लू–तापघात के रोगीयों हेतु वार्ड में बैड की अलग से व्यवस्था की जावे। वार्ड को ठण्डा रखने के लिये कुलर, पखें की व्यवस्था होना आवश्यक है। ➢ चिकित्सा संस्थानो मे आने वाले रोगियो एवं परिजनो हेतु पीने के ठण्डे पानी व छांया की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
6.	पशु पालन विभाग	➢ वैटेरिनरी अधिकारियों को चिकित्सा विभाग से समन्वय स्थापित कर कार्य करना। ➢ जिले के समस्त पशु चिकित्सालयों में चिकित्सा दलो का गठन करना। सभी चिकित्सा संस्थानो में पशुओं हेतु आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था करना। ➢ पशुपालकों की बैठक आयोजित कर स्कब टाईफस रोग के बारे में जानकारी देना एंव पशुओं व बाड़ों में साईपरमैथ्रिन का छिड़काव कराना। ➢ पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली बिमारियों पर सतत निगरानी बनाये रखना। ➢ पीड़ित जानवरों एवं पक्षियों का संगरोधन। ➢ जानवरों का टीकाकरण कर पशुओं की बीमारियों पर नियंत्रण करना। ➢ मृत जानवरों और पक्षियों का सुरक्षित डिस्पोजल करना।
7.	लोक स्वास्थ्य अभियात्रिकी विभाग	➢ पर्याप्त मात्रा में वाटर टैंकर, ब्लीचिंग पाउडर, नये हैंन्डपंप लगाना, वर्तमान हैंडपम्प की मरम्मत करना, क्लोरिनेशन आदि की व्यवस्था करना। ➢ हाइजीन और सेनिटेशन के बारे में जागरूकता फैलाना। ➢ सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था, जल की गुणवत्ता की निगरानी और उन्नत सेनिटेशन। ➢ सभी ग्राम पंचायतों को घरों में बांटने के लिए जल को शुद्व करने वाली गोलियां(क्लोरिन), ब्लीचिंग पाउडर, क्लोरिन की सप्लाई करना। ➢ स्वास्थ्य एवं सेनिटेशन के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए आईईसी द्वारा जारी नोटिस, पोस्टर, पेन्टिंग्स, मीडिया आदि का प्रयोग। ➢ नियमित एवं अन्य स्त्रोतों से जल की उचित आपूर्ति। ➢ अग्निशमन वाहनों हेतु अतिरिक्त जल की उपलब्धता। ➢ जहॉ बिजली की सप्लाई बन्द हो गई है वहॉ जनरेटर सेट की व्यवस्था करना तथा पानी के टेंकर का इंतजाम करना। ➢ जिले के जिन स्थानों पर लोग पानी के बिल जमा कराने आते है उन स्थानों पर आने वाले आमजन हेतु पीने के ठण्डे पानी व छांया की व्यवस्था करना।
8.	पुलिस	➢ कानून एंव व्यवस्था बनाये रखना। ➢ भीड को नियंत्रित करना और बचाव एवं राहत कार्यो व उचित ट्राफिक व्यवस्था के लिए प्रवेश एवं निकास स्थान नियत करना। ➢ अफवाहों को रोकने के लिए जरूरी उपाय करना।

9.	एनसीसी और स्काउटस	➢ स्वयंसेवी उपलब्ध कराना। ➢ मौसमी बिमारियों व आपदा से बचाव व राहत कार्यो में सहयोग प्रदान करना।
10.	बिजली बोर्ड	➢ बिजली की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना। ➢ जिले के जिन स्थानों पर लोग बिजली के बिल जमा कराने आते है उन स्थानों पर आने वाले आमजन हेतु पीने के ठण्डे पानी व छांया की व्यवस्था करना।
11.	नागरिक आपूर्ति	➢ बर्फ की आपूर्ति और जैनरेटर्स की व्यवस्था करना। जिले में दूषित खाद्य पदार्थ/मिलावटी खाद्य पदार्थ की जाचं कर नष्ट करवाना एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित करना। ➢ जिले में राशन की दुकानों आने वाले लाभार्थियों हेतु पीने के ठण्डे पानी व छांया की व्यवस्था करना।
12	सेना	➢ चिकित्सको, चिकित्सा संस्थानो, सरकारी वाहनो एवं अन्य बचाव की सामग्री मुहैया करवाना ।
13	रेल्वे	➢ जिले के सभी रेल्वे स्टेशनों पर यात्रा करने वाले यात्रियों एवं आमजन हेतु पीने के ठण्डे पानी व छांया एवं प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक जीवन रक्षक औषधियों की व्यवस्था सुनिश्चित करना। ➢ आपदा की स्थिति में पीड़ित लोगो को ले जाने के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था करना। ➢ प्रशासन की मांग पर पानी की ट्रेन की व्यवस्था करना।
14	सडक परिवहन	➢ यात्रियों के लू-तापघात से बचाव के लिए समुचित प्रबंध करना। ➢ जिले के सभी बस स्टेण्डों/यात्री प्रतिक्षालयों पर यात्रियों एवं आमजन हेतु पीने के ठण्डे पानी एवं छांया व बैठने की उचित व्यवस्था करना। ➢ प्रशासन के निर्देशानुसार पीड़ितो को अस्पताल पहुंचाने के लिए विशेष बसों की व्यवस्था करना।
15	दूरसंचार विभाग	➢ बेहतर संचार नेटवर्क जारी रखना। ➢ क्षतिग्रस्त लाइनों और नेटवर्क को पुनःचालू करना। ➢ आपदा की स्थिति में आमजन तक त्वरित संदेश पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
16	रेडियो दूरदर्शन एवं अन्य न्यूज जैनल	➢ लोगो को स्वास्थ्य, सेनिटेशन एवं हाइजीन के बारे मे जागरूकत करने के लिये आईईसी द्वारा जारी नोटस, पोस्टर, जिन्गल्स, रिडियो टीवी पर जागरूकता कार्यकमो का प्रसारण करना। ➢ सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासो के बारे मे मीडिया के द्वारा समय-समय पर बुलैटिन जारी करना।
17	एन.जी.ओ.	➢ राहत व बचाव के कार्यो में प्रशासन की मदद करना। ➢ पीड़ित लोगों को उपचार की सेवाओं की व्यवस्था करना। ➢ आमजन के सहयोग हेतु पीने के ठण्डे पानी के लिए विशेष स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था करना।

डॉ0 सी.पी. गोस्वामी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला- भीलवाडा (राज.)

चिकित्सा विभाग प्रोफाईल

भीलवाडा जिले में चिकित्सा विभाग के अन्तर्गत 13 ब्लॉक, 1 जिला अस्पताल , 4 उपजिला चिकित्सालय, 27 सीएचसी, 80 ग्रामीण पीएचसी, 9 शहरी पीएचसी, 540 उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं एक टीबी अस्पताल संचालित है। जिले में आपात कालीन सेवाओं की लिए 25 बैसिक लाईफ स्पोर्ट एवं 4 एडवान्स लाईफ स्पोर्ट 2 बाईक एम्बूलेन्स 108 एम्बुलेंस संचालित है। जिले में 50 निजी अस्पताल संचालित है जिसमें से 18 निजी अस्पताल मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में निःशुल्क उपचार उपलब्ध करवा रहे है।

डॉ0 सी.पी. गोस्वामी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला– भीलवाडा (राज.)

District At A Glance

	संस्था का प्रकार	कुल	स्थान
1	Health Block	13	Banera,Suwana,Gulabpura,Shahpura,Jahajpur, Mandalgarh,Kotri,Asind,Bandore,Raipur, kareda,Gangapur,Mandal
2	Total Dist. Hosp.	1	District Hospital , SHAHPURA
3	Total Satelite hosp.	0	
4	Total Sub Div. Hosp.	4	Mandal, Jahajpur,Hamirgarh, Kotri
5	Total Dispensary	2	Jail, Police line,
6	Urban PHCs	9	9
7	Total PHC (Rural)	80	80
8	Total CHC	27	27
9	Total Sub Center	540	540
10	Total T.B. Hosp.	1	Bhilwara

डॉ0 सी.पी. गोस्वामी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला– भीलवाडा (राज.)

डॉ0 सी.पी. गोस्वामी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला– भीलवाडा (राज.)

जिला प्रशासन सम्पर्क सूची

Administration					
S.No.	**Officer Name**	**Post**	**Office**	**Residence**	**Mobile Number**
1	Dr.Prem Chandra Bairwa	Deputy Chief Minister	OIC Minister		99280-45522
2	Sh Rajan Vishal	OIC Secy.	2227390	2354927	9602244777
3	Shri Hemant Gera	Chairmen Revenue Board Ajmer	0145-2627001	0145-2574455	99282-30000
4	Shri Mahaveer Prasad	Registrar Revenue Board	0145-2627891		99282-30000
5	Sh Hemant kumar Gera (Ad Chrg)	DC Ajmer	0145-2425301		94140-06333
6	Smt Deepti Sharma	ADC Ajmer	0145-2627906		88900-00050
7	Sh Jasmeet Singh Sandhu	Collector & DM	01482-232601	01482-232602	90793-13972
8	Shri Omprakash Mehra	ADM (A)	01482-232603	01482-232604	99832-19251
9	Smt. Pratibha Deothiya	ADM (City)	01482-232607	01482-232608	99503-82495
10	Sh. Rajkesh Meena (Add. Charge)	ADM (Shahpura)			81271-85807
11	Shri Chandrabhan Singh Bhati	CEO ZP	01482-232605	01482-236606	94144-93101
12	Shri Gopal Tailor (Add. Charge)	ACEO ZP (Rural)			99833-24189
13	Shri Omprakash Verma	DIG Police			94140-86888
14	Shri Dharmendra Singh Yadav	SP	01482-232001	01482-232002	94709-96077
15	Shri Paras Jain	Add. SP Bhilwara	01482-232003		94140-50806
16	Shri Lalit Goyal (IAS)	Secy. UIT	01482-264736	01482-232704	97179-85117
17	Shri Chiman Lal Meena (RAS)	OSD UIT	01482-264140		95211-53671
18	Smt Niraj Rawat	Tehsildar UIT	01482-264736		98281-13090
19	Mohammad Tahir	DIG Stamp			94145-51638
20	Shri Paras Ram Meena	RAA			98293-45921

जिला स्तरीय प्रमुख अधिकारियों की सूची मय दूरभाष नंबर

DLO					
S.No.	**Officer Name**	**Post**	**Office**	**Residence**	**Mobile Number**
1	Sh.Amrendra Mishra	DSO	232615		94138-64228
2	Sh. Ravindra Vaishnav	PRO	232676		98289-88181
3	Sh. Nutan Kumar Sharma	DD SJ&E / SJED	232678		99505-02849
4	Shri Deepak Dhaneshwal	RO Pollution Control	241159		97852-91723
5	Smt. Tina Rohnaliya	TO	232617		95882-55201
6	Shr Arun Bangur	DIO NIC	232640		94143-46510
7	Shri Pawan Nankani	Joint Director DOIT	236602		86962-44304
8	Shri Gaurav Garg (IFS)	DFO	252693		79061-97378
9	Smt Munni Devi	ACF Forest			85298-64291
10	Smt. Raj kumari khorwal	DD ICDS	232438		95872-78200
11	Sh.Nagendra ji Tolmbiya	AD Woman Empowerment dept	230276		95872-94917
12	Sh Jakir Hussain	DTO Sahpura			94609-53188
13	Sh. Ramkishan Choudhary	DTO Bhilwara			94142-11967
14	Sh. Niranjan Kumar Sharma	Chief Manager Roadways Bhl			95496-53177
15	Sh. Sunil Kumar Yadav	Dy. Labour Commissioner	243334		95490-75880
16	Sh. Gourav Mani Johari	Distt.Excise Officer	232718		99290-50130
17	Sh. A.K. Singh	JD Animal Husbandry	232679		94147-40748
18	Shri Mukesh Gurjar	Distt.Emplmt. Officer	264628		94603-76043
19	Sh. Hemendra Singh Ranawat	Distt. Sports Officer	240114		95299-99031
20	Sh Ramesh Kumar Soni	Sr. Insp. Fact. Boilers	265291		94142-59160
21	Shri Madan Singh Ranawat	Junior Scientist Ground Level Water			94140-21336
22	Sh Ram Prasad Sharma	PO Rajivika Mission			70231-99069
23	Sh Udai Singh Solanki (Command.)	Distt. Soldier Welfare Offcer (Sainik)	265133	98692-21000	84420-79444
24	Sh. Lalit Vyas	Dy Comm Home Guard	230118		94145-72752

25	Sh. Karamjeet Singh	Company Commander Home Guard			79766-82385
26	Sh. Sumit Yadav	Nehru Yuva Kendra			72066-06662
27	Smt. Sonal Raj Kothari (Add.Chrg.)	C.P.O.	232624		94132-39329
28	Smt. Sonal Raj Kothari	AD Statistics	226188		94132-39329
29	Sh. Ravi Kumar Rachdaya	Distt Minority Officer	232086		97821-34046
30	Smt. Priyanka Mehanariya	JD GPF & SI	232622		82904-16801
31	Shri Dhanpat Rai	SE PHED			94144-23953
32	Shri Mahesh Sharma	XEN PHED			94602-37040
33	Sh. Vinod Kumar Garg	SE Chambal -1			94133-55944
34	Sh. Rajeev Kumar	SE Chambal -2			94146-81482
35	Shri Soji Singh Pratihar	SE WRD	226540		94145-14593
36	Sh. C.L. Koli	Xen. WRD			73405-78701
37	Sh. Om Prakash Kabra	SME Mining			63787-13225
38	Sh. Mahesh Kumar Sharma	ME Mining Bhilwara			94142-94309
39	Sh. Praveen Agarwal	ME Bijoliya			94605-95312
40	Sh. V.K. Sancheti	SE AVVNL			94140-04073
41	Sh. Anil Jain	SE RRVNL			98293-29083
42	Sh. Manoj Kumar Joshi	SE PWD			94144-72797
43	Sh. Sandeep Jhanwar	Xen. PWD			83023-41023
44	Sh. Harish Kulshreshth	Manager Circuit House			94142-72566
45	Shri Arun Gaur	PMO			94141-17656
46	Shri C.P. Goswami	CMHO	232643	86969-47181	99826-07181
47	Sh Maharaj Singh	DD Ayurved		96606-86933	96368-19066
48	Dr Ram Swaroop Sharma	AD Ayurved			96606-86933
49	Dr. Sanjeev Sharma	RCHO			99830-00213
50	Shri Arvind Ojha	DR COOPERATIVE			94144-19757
51	Shri Vimal Kumar Pathak	MD Dairy			94132-70516
52	Sh Rahul Dev Singh	DD DIC			99820-13376
53	Shri K K Meena	GM DIC			98879-28290
54	Sh. P.R. Meena	RM RIICO			94140-49472
55	Sh. Vinod Kumar Jain	JD Agriculture			94600-29621
56	Sh. Shankar Singh Rathor	DD Horticulture			80039-80087
57	Sh. Madan Lal Saini	Secy. Mandi			98295-71782

58	Sh. Aruna Garu	CDEO			94138-23101
59	Sh. Rameshwar Lal Baldi	DEO ELE			92521-33174
60	Sh. Rajendra Gaggad	DEO Secondary			99509-79225
61	Sh. Vikas Joshi	ADEO ELE			99824-23232
61	Sh. Yogesh Mathur	SE UIT			94135-23939
62	Sh. Arvind Vyas	Xen UIT			94143-06412
63	Sh. Hemaram Choudhary	Comm. NP	232651,52		94627-91984
64	Sh. Kaluram Mandravliya Xen.(Add. Charge)	RO Housing Board	220312		99831-95578
65	Miss Deepika Sen	ASO SC/DC	232625		86191-06625
66	Smt. Asha Dubey	Supp. Woman ITI	244801		99296-99117
67	Sh. Ashok Kumar Pandey	LDM	236355		80940-07112
68	Sh. Hitesh Trivedi	Deputy Commissioner Commercial tax			95300-77007
69	Sh. Adesh Meena (Addl. Charge)	SE Watershed			98290-88212
70	Sh. Narendra Choudhary	PD RSRDC			99835-29510
71	Sh. Alok Choudhary	MD CCB			94133-12500
72	Sh. Shiv Prakash Teli	Principal Polytechnic			79760-09537
73	Sh. Shailendra Kumar	Supp. Head Post Office			81686-39474
74	Sh. Krishna Kumar	DD Tourism, Ajmer			70145-57132
75	Sh. Yogesh khatri	AD Tourism Ajmer			81072-27494
76	Dr. Rajkumar Chaturvedi	Principal MLV College			99289-93381
77	Sh. Sawan Jangid	Principal Girls College			94149-78535
78	Dr. Varsha Singh	Principal Medical College			94665-72278
79	Shri Deepak Juneja (Add Chrg)	Principal KV			76150 -72112
80	Shri Chotu Lal	Fire Officer			98294-11717
81	Shri Vinod Kumar	Scout Officer			80030-97142
82	Shri Shailendra Singh Rathor	Left. Col. NCC			91458-96622
83	Shri Praveen Tank	NSS			99829-88681
84	Shri Dharmnarayan Vaishnav	NSS			82391-10031

जिले में पदस्थापित समस्त उपखण्ड अधिकारियों की सूची मय दूरभाष नंबर

SDMs (दूरभाष सम्पर्क समस्त उपखण्ड अधिकारी, जिला–भीलवाड़ा)					
Sr. No.	**Name of Officer**	**Designation**	**Office**	**Res.**	**Mobile No.**
1	Shri Divyaraj Singh Chundawat	Bhilwara	01482-232612	01482-232612	94616-66516
2	Smt. Neha Chhipa	Hamirgarh	-	95303-20004	83062-16353
3	Shri Shrikant Vyas	Banera	01487-272038		93511-17312
4	Shri Chhotu Lal Sharma	Mandal	01486-266808		94609-47840
5	Shri Rajkesh Meena	Jahazpur	01485-230508		81271-85807
6	Shri Babu Lal (Addl. Charge)	Shahpura	01486-266808		94131-35633
7	Shri Babu Lal	Phuliakalan	01484-225007		94131-35633
8	Tanya Rinwa (UT RAS)	Kotri	01488-235232		94686-33648
9	Shri Jogendra Singh	Kareda	01486-262492	95303-20030	90799-75380
10	Shri Rohit Chouhan	Gulabpura	01483-223021		94149-88118
11	Sh Rajesh Kumar Vishnoi	Gangapur	01481-220043		95495-11147
12	Sh. Karuna Ladoti (UT RAS)	Raipur	01481-230230		93521-80042
13	Shri Manmohan Sharma	Mandalgarh	01489-230018		90797-23429
14	Shri Ajit Singh Rathore	Bijoliya	01489-236195		94602-01047
15	Tanya Rinwa (UT RAS) (Add. Charge)	Asind	01480-220146		94686-33648
16	Shri Arun Kumar Jain	ACM Bhilwara			94133-39599
17	Shri Chhotu Lal Sharma	ACM Mandal	01486-266808		94609-47840
18	Shri Rajkesh Meena (Add. Charge)	ACM Jahazpur	01485-230508		81271-85807

जिले में पदस्थापित समस्त तहसीलदारों की सूची मय दूरभाष नंबर

TDRs (समस्त तहसीलदार, जिला–भीलवाड़ा)					
Sr. No.	**Name of Officer**	**Designation**	**Office**	**Res.**	**Mobile No.**
1	Sh. Dinesh Kumar Sahu	TDR Bhilwara	01482-232614		99828-37129
2	Sh Bhanwar lal sen	TDR Hamirgarh	01482-286265		97996-52397
3	Suman Gurjar (UT RAS)	TDR Mandal			99281-32777
4	Smt Kanchan Chouhan NT	TDR Kareda	01486-262492		70112-96633
5	Sh Bhanwar lal Sen (Add. Charge)	TDR Raipur	01481-230031		97996-52397
6	Ku Shivanaya Gupta	TDR Sahada	01481-220041		84260-64888
7	Sh Ranveer Singh (Under Trans.)	TDR Hurda	01483-221030		75978-00397
8	Sh. Jai Singh NT (Add. Charge)	TDR Asind	01480-220115		90249-73636
9	Sh. Vishvajeet Singh (UT RAS)	TDR Shahpura			93521-70485
10	Shri Anil Choudhary	TDR Phuliakalan	01484-225013		94137-02911
11	Shri Narayan Prasad Sharma	TDR Banera	01487-272618		94612-67601
12	Shri Ravi Kumar Meena	TDR Jahazpur	01485-230037		94617-99606
13	Shri Ramkishor Meena	TDR Kotri	01488-235231		63775-03723
14	Sh. Basant Kumar Pandey	TDR Mandalgarh	01489-230019		94138-57241
15	Shri Lalit Kumar Didwaniya	TDR Bijoliya	01489-236248		97992-66464
16	Sh. Mahipal Kalal	TDR. (SR I)	01482-232621		75684-69985
17	Smt. Niraj Rawat	TDR UIT			98281-13090
18	Sh. Dinesh Kumar Sahu	TDR Bhilwara	01482-232614	95303 20208	99828-37129

जिले में पदस्थापित चिकित्सा अधिकारियों की सूची मय दूरभाष नंबर

1	कार्यालय मु.चि.एवं स्वा. अ.भीलवाड़ा CMHO	डॉ. चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी	मु.चि.एवं.स्वा.अ.	1482	232643	9982607181
2	चिकित्सा अधीक्षक महात्मा गांधी अस्पताल भीलवाडा	डॉ. अरूण गौड	प्र.चि.अ. (PMO)	1482		9414117656
3	कार्यालय अति. मु.चि.एवं स्वा.अ.प.क. भीलवाड़ा	डॉ. रामकेश गुर्जर	अति. मु.चि.एवं स्वा.अ.प.क.	1482	232645	9462670813
4	जिला आर.सी.एच. अधिकारी भीलवाड़ा	डॉ. संजीव कुमार शर्मा	जिला आर.सी.एच. अधिकारी	1482	232646	9983000213
1	उप.मु.चि.एवं स्वा.अ. (स्वा.) भीलवाड़ा	डॉ. प्रवीण कुमार झरवाल	उप मुख्य चि. एवं स्वा.अ. (स्वा.)	1482	232643	9414061119
2	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी,सुवाणा	डॉ. अंकित शर्मा, चि. अ. अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1482	297097	9166108832
3	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, माण्डल	डॉ. मनोज कुमार अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1486	266030	8239621310
4	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, माण्डलगढ़	डॉ. गोपाल लाल यादव अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1489	230456	9414576960
5	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सहाड़ा	डॉ. विपिन शर्मा अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1481	220592	9460356904
6	ब्लॉक मु.चि.अ.रायपुर	डॉ. भवानी सिंह अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1481	230036	7976969998
7	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गुलाबपुरा	डॉ. सोरभ कुमार गुप्ता अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1483	224277	8741970391
8	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आसीन्द	डॉ. प्रीतम चन्द गुप्ता, अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1480	221319	9782626384
9	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, करेड़ा	डॉ. मनोज कुमार अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.	1486	—	8239621310
10	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बनेडा	डॉ0 बनवारी लाल अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.			8058497608
11	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शाहपुरा	डॉ0 एस एन शर्मा अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.			9799355946

12	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जहाजपुर	डॉ0 अशोक जाट अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.			8949818296
13	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कोटडी	डॉ0 भागीरथ मीणा अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.			9001528770
18	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिजौलिया	डॉ0 गोपाल लाल यादव अतिरिक्त कार्यभार	बी.सी.एम.ओ.			9414576960
19	उप जिला चिकित्सालय, माण्डल	डॉ. सुरेश कुमार गजराज	क.वि. मेडिसन	1486	266951	9460841053
20	सा.स्वा.केन्द्र हमीरगढ़	डॉ. संजय कनवाडीया	चि.अ.	1482	286443	8941075095
21	सा.स्वा. केन्द्र, सुवाणा	डॉ. अंकित शर्मा, चि. अ. अतिरिक्त कार्यभार	चि.अ.	1482	329987	9166108832
22	सा.स्वा. केन्द्र, ज्ञानगढ	डॉ. विनोद चौधरी	चि.अ.	—	—	9782459197
23	सा.स्वा. केन्द्र, करेडा	डॉ. दिनेश कुमार बुनकर	चि.अ.	1486	262268	9660604848
24	सा.स्वा. केन्द्र, बागौर	डॉ. रामनारायण तिवाडी अतिरिक्त कार्यभार	चि.अ. यूटीबी	1486	265092	8209016198
25	सा.स्वा.केन्द्र, माण्डलगढ	डॉ. गोपाल लाल यादव	चि.अ.	1489	230040	9414576960
26	सा.स्वा.केन्द्र भगवानपुरा	डॉ. मुस्लिम मुजाहिद हुरैराह फानी	चि.अ.	—	—	9414645670
27	सा.स्वा.केन्द्र, बिजौलिया	डॉ. अंसार खान	चि.अ.	1489	236065	9828498753
28	सा.स्वा.केन्द्र, मोखुन्दा	डॉ. महेन्द्र शर्मा	चि.अ.	1481	239316	8896400438
29	सा.स्वा.केन्द्र, बीगोद	डॉ. श्रीराम वर्मा	चि.अ.	1489	232252	9664477185
30	सा.स्वा.केन्द्र, अन्टाली	डॉ. रामावतार देगड़ा	चि.अ.	1480	236960	9116777582
31	सा.स्वा.केन्द्र, गंगापुर	डॉ. श्याम स्वरूप शर्मा	व.चि.अ.	1481	220550	8005794987
32	सा.स्वा.केन्द्र, कोशीथल	डॉ. हेमेन्द्र सिंह राव	चि.अ.	1481	223100	9413704376
33	सा.स्वा.केन्द्र, सहाडा	डॉ. बबीता जोया	चि.अ.	1481	220450	8003539465
34	सा.स्वा.केन्द्र, पोटलां	डॉ. हर्षित लक्षकार	चि.अ.	1481	224217	**7597789927**
35	सा.स्वा.केन्द्र, रायपुर	डॉ. भवानी सिंह	चि.अ.	1481	230035	7276969998
36	सा.स्वा.केन्द्र, गुलाबपुरा	डॉ. विजय सिंह राठौड़	चि.अ.	1483	223099	9414371580
37	सा.स्वा.केन्द्र, आसीन्द	डॉ भंवर लाल शर्मा	उप निदे.	1480	220878	9549366667
38	प्रा.स्वा. केन्द्र, गूरलां	रिक्त	चि.अ.	1482	—	
39	प्रा.स्वा. केन्द्र, स्वरूपगंज	रिक्त	चि.अ.	1482	222113	
40	प्रा.स्वा. केन्द्र, मंगरोप	डॉ. दिव्या जीनगर	चि.अ.	1482	—	9462700422

41	प्रा.स्वा.केन्द्र कारोई	रिक्त	चि.अ.	—	—	
42	प्रा.स्वा.केन्द्र आमलीगढ़ पाछली	डॉ. मधु कुमारी	चि.अ.	—	—	9119346874
43	प्रा.स्वा.केन्द्र भोपालगढ़ / गाडरमाला	रिक्त	चि.अ.	—	—	
44	प्रा.स्वा.केन्द्र आटूण	डॉ. शालिनि खटीक	चि.अ.	—	—	7073768459
45	प्रा.स्वा.केन्द्र बडा महुंआ	रिक्त	चि.अ.	—	—	
46	प्रा.स्वा.केन्द्र खेराबाद	रिक्त	चि.अ.	—	—	
47	प्रा.स्वा.केन्द्र बरडोद	डॉ. अंकित शर्मा	चि.अ.	—	—	9166108832
48	प्रा.स्वा. केन्द्र, बेमाली	डॉ. मालू राम जांखड	चि.अ.	—	—	8209215263
49	प्रा.स्वा. केन्द्र, चान्दरास	डॉ. श्रीराम सेनी	चि.अ.	—	—	8278617175
50	प्रा.स्वा. केन्द्र, निम्बा. जाटान	डॉ. धर्मराज जाट	चि.अ.	—	—	9664018347
51	प्रा.स्वा.केन्द्र चिताम्बा	डॉ. श्री किशन यादव	चि.अ.	—	—	9521367353
52	प्रा.स्वा.केन्द्र लुहारिया	डॉ. रामनारायण तिवाडी	चि.अ. यूटीबी	—	—	8209016198
53	प्रा.स्वा.केन्द्र रामपुरिया (नारेली)	डॉ. सीताराम जाट	चि.अ.	—	—	7725968464
54	प्रा.स्वा. केन्द्र रूपाहेली खुर्द	रिक्त	चि.अ.	1487	291303	
55	सा.स्वा. केन्द्र महुआ	डॉ. अविनाश लाखिवाल	चि.अ.	1489	234460	9261152860
56	प्रा.स्वा.केन्द्र, सिंगोली	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भूखरिया	चि.अ.	1489	235105	8118824713
57	प्रा.स्वा.केन्द्र, बरून्दनी	डॉ. देवेन्द्र सिंह	चि.अ.	1489	235460	7062259331
58	प्रा.स्वा.केन्द, लाडपुरा	डॉ. राहुल चौधरी	चि.अ.	1489	235615	9660699481
59	प्रा.स्वा.केन्द, सलावटिया	डॉ नरेन्द्र कुमार पारेता	चि.अ.	1489	238760	9680803507
60	प्रा.स्वा.केन्द, श्यामपुरा	डॉ. रितेश चौधरी	चि.अ.	1489	238516	8005572901
61	प्रा.स्वा.केन्द्र कास्या	डॉ. बुद्धी प्रकाश मीणा	चि.अ.	—	—	8905043086
62	प्रा.स्वा.केन्द्र मानपुरा	डॉ. विष्णु कुमार मीणा	चि.अ.	—	—	7877061146
63	प्रा.स्वा.केन्द्र धामनिया	डॉ. यासमिन रहमानी	चि.अ.	—	—	7073399456
64	प्रा.स्वा.केन्द, सवाईपुर	डॉ. दिव्या गुर्जर	चि.अ.	1488	232590	9660037317
65	प्रा.स्वा.केन्द, सुठेपा	डॉ. अजय कुमार काटवा	चि.अ.	1488	290091	9414636925
66	प्रा.स्वा.केन्द, आमां	डॉ. योगेन्द्र कुमार नागर	चि.अ.	1488	—	8529566631
67	प्रा.स्वा.केन्द, बड़लियास	डॉ. ललित कुमार	चि.अ.	1488	234746	9667508040

68	प्रा.स्वा.केन्द, आकोला	डॉ. राजवीर कंजर	चि.अ.	1488	—	8769658711
69	प्रा.स्वा.केन्द्र लाखोला	रिक्त	चि.अ.	1481	220879	
70	प्रा.स्वा.केन्द्र, आमली	रिक्त	चि.अ.	1481	—	
71	प्रा.स्वा.केन्द्र, महेन्द्रगढ	रिक्त	चि.अ.	1481	225143	
72	प्रा.स्वा.केन्द्र खांखला	डॉ. कृष्ण गोपाल चौधरी	चि.अ.	—	—	7665886611
73	प्रा.स्वा.केन्द्र भूणास	डॉ. चन्दन सिंह राठौड	चि.अ.	—	—	9873404185
74	प्रा.स्वा.केन्द्र सोनियाणा	डॉ. रोहन सोमाणी	चि.अ.	—	—	8769079277
75	प्रा.स्वा.केन्द्र, कोट	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सैनी	चि.अ.	1481	291212	8239408686
76	प्रा.स्वा.केन्द्र, झडोल	डॉ. मुकेश गढवाल	चि.अ.	1481	229318	8005650775
77	प्रा.स्वा.केन्द्र, आशाहोली	डॉ. राही गुप्ता	चि.अ.	1481	228330	9782760239
78	प्रा.स्वा.केन्द्र देवरिया	डॉ. आदित्य नारायण दाधीच	चि.अ.	—	—	9900000004
79	प्रा.स्वा.केन्द्र, हुरडा	डॉ. बुधराज रायका	चि.अ.	1483	224799	7727083877
80	प्रा.स्वा.केन्द्र, आगुचा	डॉ. राकेश सिंह बडवा	चि.अ.	1483	225654	9694565307
81	प्रा.स्वा.केन्द्र, रूपाहेली कलां	डॉ. हिम्मत सिंह	चि.अ.	1483	228828	8209031976
82	प्रा.स्वा.केन्द्र, कंवलियास	डॉ. राकेश कुमार चलवारिया	चि.अ.	1483	290506	8118874665
83	प्रा.स्वा.केन्द्र सरेरी	डॉ. सोरभ कुमार गुप्ता	चि.अ.	—	—	8741970391
84	प्रा.स्वा.केन्द्र, दौलतगढ	डॉ. अक्षय दिक्षीत	चि.अ.	1480	227328	7062457271
85	प्रा.स्वा.केन्द्र, बी.के.सरेरी	डॉ. कानाराम यादव	चि.अ.	1480	228919	9571416879
86	प्रा.स्वा.केन्द्र, शम्भुगढ	डॉ. भुपेन्द्र यादव	चि.अ.	1480	223845	7297828828
87	प्रा.स्वा.केन्द्र, कालियास	डॉ. सत्यनारायण मीणा	चि.अ.	1480	228192	9667730309
88	प्रा.स्वा.केन्द्र, मोटरास	रिक्त	चि.अ.	—	—	
89	प्रा.स्वा.केन्द्र, दांथल	डॉ. वैभव पवार	चि.अ.	—	—	9782882804 7597131488
90	प्रा.स्वा.केन्द्र, भादू	डॉ. आयुष तिवारी	चि.अ. यूटीबी	—	—	8005505100
91	प्रा.स्वा.केन्द्र, उमरी	डॉ. सुरज सिंह भाटी	चि.अ. यूटीबी	—	—	9352202747
92	प्रा.स्वा.केन्द्र, मोड का निम्बाहेड़ा	डॉ. जलज शर्मा	चि.अ.	—	—	9643844685
93	प्रा.स्वा.केन्द्र, कान्या	डॉ. प्रियका चौधरी	चि.अ. यूटीबी	—	—	7073216553
94	प्रा.स्वा.केन्द्र, नाथडियास	रिक्त	चि.अ.	—	—	

IEC material -
Information, Education, and Communication material

शिशुओं को
"लू"
से बचाएं
बच्चों के लिए सावधानियाँ
ORS
• उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं।
• शिशुओं में गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों का पता लगाना सीखें।
• यदि बच्चे के पेशाब का रंग गहरा है तो इसका मतलब है कि वह डीहाईड्रेशन (पानी की कमी) का शिकार है।
• बच्चों को बिना देखरेख खड़ी गाड़ी में छोड़ कर न जाएं, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते हैं।
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने जानवरों को
"लू"
से बचाएं
लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां
• जहा तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें
• यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा हो वहां दिनभर छाया रहें।
• जानवरों को किसी बंद में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
• ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हों, उन्हें ताजा पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।
• पीने के पानी के दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
• अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें।
• यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
• कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न चलाएं।
• किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने जानवरों को
"लू"
से बचाएं
लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां
जहा तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें
यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा हो वहां दिनभर छाया रहें।
जानवरों को किसी बंद जगह में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हों, उन्हें ताजा पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।
पीने के पानी के दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें।
यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न चलाएं।
किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

धूप
में जाने से
बचें
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
ORS
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने बच्चों को तेज़
"लू"
से बचाएं
बच्चों के लिए सावधानियाँ
हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। नींबू पानी / छाछ / नारियल पानी / ताज़े फलों के रस का नियमित रूप से सेवन करें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताज़े फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं।
ख़ासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाएं। शाम के समय खेलें।
यदि बच्चे को चक्कर आएं, उल्टी, घबराहट अथवा तेज़ सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो रही हो तो उसे डॉक्टर को दिखाएं।
ORS
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

दोपहर में
शारीरिक मेहनत
वाले काम से
बचें
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
ORS
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

"लू" यानी तेज गर्मी जानलेवा
निम्नलिखित सावधानियाँ बरते
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचार पढ़े।
पर्याप्त मात्रा में पानी पिए भले ही प्यास न लगी हो।
ओ.आर.एस. (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (
छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखे, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं उन्हें लू लगने का खतरा
सभी राजकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में पुर्ण निःशुल्क उपचार सुविधाएं उपलब्ध है।